जब तुम अब भी पाप में हो, तब अपने “सिरा” पर भरोसा मत करो

यिर्मयाह 48:11–12
“मोआब अपने बचपन से ही चैन से रहा है,
वह अपने तलछट (सिरा) पर ठहरा रहा है;
उसे एक बर्तन से दूसरे बर्तन में उंडेला नहीं गया, और न वह कभी बंदी बनाया गया।
इसी कारण उसका स्वाद वैसा ही बना रहा
और उसकी सुगंध नहीं बदली।
इसलिए देखो, वे दिन आते हैं,” यहोवा कहता है,
“जब मैं उसके पास उंडेलने वालों को भेजूँगा;
वे उसे उंडेलेंगे, उसके बर्तनों को खाली करेंगे
और उसके घड़ों को टुकड़े-टुकड़े कर देंगे।”

क्या तुम जानते हो कि “सिरा” क्या होता है?

सिरा वह तलछट है जो शराब के किण्वन (fermentation) के बाद नीचे बैठ जाती है। यह बीजों के छिलकों और उन सूक्ष्म जीवों का मिश्रण होती है जिनसे शराब किण्वित होती है।
सामान्यतः जब दाखमधु (वाइन) का किण्वन पूरा हो जाता है, तो उसे उपयोग के लिए दूसरे बर्तनों में उंडेल दिया जाता है और नीचे बैठी हुई तलछट (सिरा) को छोड़ दिया जाता है, क्योंकि वह गाढ़ी, चिपचिपी-सी होती है।

जब तुम अब भी पाप में हो, तब अपने “सिरा” पर भरोसा मत करो

लेकिन यही तलछट शराब बनाने वालों के लिए बहुत मूल्यवान भी होती है। जो दाखमधु लंबे समय तक सिरा पर टिकी रहती है, उसकी गुणवत्ता उस दाखमधु से अलग और बेहतर होती है जो थोड़े समय बाद ही अलग कर दी जाती है।
जितना अधिक समय दाखमधु सिरा पर रहती है, उतना ही उसका स्वाद, रंग और सुगंध निखरते जाते हैं। इसके विपरीत, जो दाखमधु जल्दी ही अलग कर दी जाती है, उसमें वह गहराई और सुंदरता नहीं होती।

इसी कारण महँगी वाइन, जैसे शैम्पेन, को सिरा पर कई महीनों (कभी- कभी चार महीने या उससे भी अधिक) तक रखा जाता है, ताकि उसकी गुणवत्ता और भी उत्तम हो जाए।
(यह भी पढ़ें: यशायाह 25:6)

अब उस पद पर लौटें जिसे हमने ऊपर पढ़ा

बाइबल कहती है:
“मोआब अपने बचपन से ही चैन से रहा है, और अपने सिरा पर ठहरा
रहा है; उसे एक बर्तन से दूसरे बर्तन में नहीं उंडेला गया…”

इतिहास में मोआब एक ऐसा राष्ट्र था जिसने अपने आरंभ से ही बड़े

जब तुम अब भी पाप में हो, तब अपने “सिरा” पर भरोसा मत करो

संकटों का सामना नहीं किया। यदि कभी कठिनाइयाँ आईं भी, तो वे बहुत छोटी थीं।
अन्य राष्ट्रों की तुलना में मोआब ने न बड़े युद्ध देखे, न अकाल, न भयानक विपत्तियाँ। फिर भी, इस अनुग्रह को समझने के बजाय, उसने लंबे समय तक परमेश्वर की दृष्टि में बुराई और अधर्म के काम किए।

इसीलिए उसकी तुलना उस दाखमधु से की गई है जो लंबे समय तक अपने सिरा पर ठहरी रही—जिसे न तो जल्दी उंडेला गया, न ही कठिन परिस्थितियों से होकर गुज़ारा गया।
अर्थात, मोआब को न बंदी बनाया गया, न उसे कष्टों से शुद्ध किया गया; वह लंबे समय तक अपनी समृद्धि में ही बना रहा।

धीरे-धीरे वह यह सोचने लगा कि उस पर कभी कोई विपत्ति नहीं आएगी, कि वह विशेष रूप से आशीषित है।
उसने यह मान लिया कि जो अन्य राष्ट्र—जैसे इस्राएल—दंड भोग रहे हैं, वे शापित हैं।

लेकिन आगे के पद क्या कहते हैं?

“देखो, वे दिन आते हैं, यहोवा कहता है, जब मैं उसके पास उंडेलने वालों को भेजूँगा…”

और सचमुच, एक समय ऐसा आया जब कल्दी आए, मोआब को नष्ट किया, उसे

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

जब तुम अब भी पाप में हो, तब अपने “सिरा” पर भरोसा मत करो

बंदी बनाकर ले गए, और उसकी सारी शोभा पल भर में मिट गई—ऐसी बात जिसकी उसने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

भाई, अब अपने आप को परखो

आज तुम पाप करते हो, फिर भी तुम्हें कुछ नहीं होता।
तुम व्यभिचार करते हो, गंदे कामों में लगे रहते हो, टोने-टोटकों और ओझाओं के पास जाते हो—फिर भी बीमार नहीं पड़ते।
उलटे, तुम और समृद्ध होते जाते हो।
तुम ऐश-आराम और नशे में डूबे हो, और कहते हो: “मुझे तो कोई हानि नहीं हो रही।”

क्या तुमने कभी सोचा क्यों?

क्या तुम यह मान बैठे हो कि तुम परमेश्वर के लिए “बहुत खास” हो?

तो इस पद को ध्यान से पढ़ो:

सपन्याह 1:12
“उस समय ऐसा होगा कि मैं यरूशलेम को दीपक लेकर खोजूँगा,

जब तुम अब भी पाप में हो, तब अपने “सिरा” पर भरोसा मत करो

और मैं उन लोगों को दंड दूँगा जो अपने सिरा पर ठहरे हुए हैं,
जो अपने मन में कहते हैं:
‘यहोवा न भला करेगा, न बुरा।’”

देखो—एक समय आएगा जब परमेश्वर दीपक लेकर तुम्हारी जाँच करेगा। तुम जो अपने सिरा पर ठहरे हुए हो, बिना किसी चिंता के पाप में सफल होते जा रहे हो, और कहते हो कि परमेश्वर कुछ नहीं करेगा—तुम स्वयं को धोखा दे रहे हो।

सावधान रहो। न्याय निश्चित है।
तुम अचानक मर सकते हो, और उसी क्षण अपने आप को नरक में पा सकते हो—उसी धनी व्यक्ति की तरह, जिसका उल्लेख लाज़र के दृष्टांत में है, जिसने इस संसार में केवल विलासिता का जीवन जिया और आने वाले न्याय की परवाह नहीं की।

यदि तुम पश्चाताप नहीं करोगे, तो तुम भी वहीं पहुँचोगे—रोते हुए, पछताते हुए, यह कहते हुए: “काश मैंने पहले जान लिया होता…”

तब बहुत देर हो चुकी होगी।

जब तुम अब भी पाप में हो, तब अपने “सिरा” पर भरोसा मत करो

यदि आज परमेश्वर तुम्हारे पापों पर तुरंत कार्य नहीं कर रहा, तो इसका अर्थ यह नहीं कि वह तुम्हारी जीवन-शैली से प्रसन्न है।
वह तुम्हें देख रहा है—शायद इस आशा में कि तुम पश्चाताप करोगे। लेकिन यदि कोई परिवर्तन न हुआ, तो वह उसी प्रकार तुम्हें भी हटा देगा जैसे उसने मोआब के साथ किया।

बाइबल कहती है:
उद्धार का समय अभी है, और स्वीकार करने का दिन आज है।
यह मत कहो कि “किसी और दिन मैं उद्धार पाऊँगा”—वह दिन कभी नहीं आएगा।

आज ही यीशु मसीह को अपना जीवन सौंप दो।
सच्चे मन से अपने पापों से पश्चाताप करो और उन्हें छोड़ दो। फिर जल में पूरे डूबने वाले सच्चे बपतिस्मे द्वारा, यीशु मसीह के नाम में, अपने पापों की क्षमा पाओ।
तब परमेश्वर स्वयं तुम्हें अपना पवित्र आत्मा देगा, जो सदा तुम्हारे साथ रहेगा।

और चाहे आज ही तुम्हारा जीवन समाप्त हो जाए, फिर भी तुम्हें अनन्त जीवन का पूरा भरोसा होगा।

यदि तुम उद्धार पाना चाहते हो और सहायता की आवश्यकता है, तो अपने पास की किसी आत्मिक कलीसिया से संपर्क करो, या इन नंबरों

जब तुम अब भी पाप में हो, तब अपने “सिरा” पर भरोसा मत करो

पर हमसे संपर्क करें

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp